भारत-निकारागुआ द्विपक्षीय संबंध

भारत और निकारागुआ के बीच द्विपक्षीय संबंध मधुर और मैत्रीपूर्ण हैं। भारत और निकारागुआ के बीच राजनयिक संबंध मार्च 1983 में स्थापित हुए थे। पनामा में भारतीय दूतावास समवर्ती रूप से निकारागुआ से मान्यता प्राप्त है। निकारागुआ का पहले भारत में एक दूतावास था, जिसे 1990 में बंद कर दिया गया था। वर्तमान में, टोक्यो में स्थित निकारागुआ के दूतावास को भारत में मान्यता प्राप्त है।

द्विपक्षीय दौरे

वर्तमान राष्ट्रपति, महामहिम राष्ट्रपति श्री डेनियल ओर्टेगा सावेद्रा ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ने 1983 और 1986 में दो बार भारत का दौरा किया था। सुश्री सोनिया कास्त्रो गोंजालेज (एससीजी), स्वास्थ्य मंत्री, सुश्री मारिया डी लॉस एंजिल्स बोएडेकर हेरेरा, निदेशक सहकारिता, स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ जुलाई 2019 में नई दिल्ली में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री से मिलीं। निकारागुआ के विदेश मंत्री श्री डेनिस मोनकाडा कोलिंड्रेस ने अक्टूबर 2019 में नई दिल्ली का दौरा किया और विदेश मंत्री से मुलाकात की। अप्रैल 2023 में, विदेश मंत्री ने पनामा में भारत-एसआईसीए विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान विदेश मंत्री डेनिस मेनकोंडा से मुलाकात की।

द्विपक्षीय समझौते

राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट के लिए वीज़ा में छूट पर एक समझौते पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे।

मानागुआ में एक आईटी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने पर एक समझौते पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे।

निकारागुआ के साथ सांस्कृतिक सहयोग, सरकार से सरकार ऋण और आर्थिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

मई 2019 में, निकारागुआ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा और कृषि के क्षेत्र में सहयोग के लिए चार नए समझौतों को आगे बढ़ाया और वे विदेश मंत्रालय के विचाराधीन हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन:

निकारागुआ सरकार ने आईएसए फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर और अनुमोदन किया है, और आईएसए गठबंधन का सदस्य है।

विकास साझेदारी पहल:

भारत निकारागुआ के साथ विकास साझेदारी संबंधों को गहरा करने को महत्व देता है।

इसका प्रमाण मनागुआ में एक आईटी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और 2013 में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर (परियोजना जून 2019 में पूरी हुई), अगस्त 2014 में 26.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर (पर कार्य जारी है) और 31.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर के तीन एलओसी (पर कार्य जारी है)। बिजली क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 2016 में एलओसी (पर कार्य जारी है)। एलओसी के तहत शुरू की गई परियोजनाओं की निकारागुआ सरकार ने काफी सराहना की है। भारत सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में निकारागुआ के लिए दो और एलओसी को भी मंजूरी दे दी है।

विकास साझेदारी:

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में निकारागुआ को लगभग 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की दवाएँ दान में दी हैं। भारत सरकार ने भारत सरकार विकास साझेदारी पहल के तहत अप्रैल 2014 में डेंगू से निपटने के लिए निकारागुआ को 8,52,185/- रुपये मूल्य की 1530 किलोग्राम दवाएं दान में दीं। भारत ने 2018 में निकारागुआ को 50,000 अमेरिकी डॉलर की दवाएं दान कीं और दवाओं की खेप निकारागुआ के स्वास्थ्य मंत्रालय को पहुंचाई गई। 2020 में भी, भारत ने कोविड-19 से संबंधित चिकित्सा सहायता के लिए चिकित्सा सहायता पैकेज दान किया, जिसमें 3,10,000 हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन टैबलेट और अन्य दवाएं और चिकित्सा आपूर्ति शामिल थी।

तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग:

प्रत्येक राजधानी में आईटी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एसआईसीए देशों को भारत की पेशकश के हिस्से के रूप में, निकारागुआ की राजधानी मानागुआ में एक आईटी केंद्र स्थापित किया गया था और 2011 में इसे मेजबान सरकार को सौंप दिया गया था।

निकारागुआ के ऊर्जा और खान मंत्रालय के नवीकरणीय ऊर्जा विश्लेषक श्री गुइलेर्मो गोंजालेस ने अप्रैल, 2017 की पहली छमाही में राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के केंद्र बिंदुओं के लिए सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में उन्नत उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। सौर ऊर्जा (एनआईएसई), एनसीआर। निकारागुआ को 2022-23 में ITEC कार्यक्रम के तहत 25 पाठ्यक्रम आवंटित किए गए हैं।

भारत-निकारागुआ व्यापार मिलियन अमेरिकी डॉलर:

कुल द्विपक्षीय व्यापार: 119.33 मिलियन अमेरिकी डॉलर (2022-23)।

भारत से निर्यात: 108.69 मिलियन अमेरिकी डॉलर।

भारत द्वारा आयात: 10.64 मिलियन अमेरिकी डॉलर।

भारत के मुख्य निर्यात में फार्मास्यूटिकल्स, कपास, ऑटोमोबाइल और सहायक उपकरण, लोहा और इस्पात, रबर और रबर उत्पाद आदि शामिल हैं, जबकि भारत के मुख्य आयात में लकड़ी और लकड़ी के समान, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और उपकरण, लोहा और इस्पात आदि शामिल हैं।

ग्रेविटा इंडिया एसए, निकारागुआ रीसाइक्लिंग क्षेत्र में काम करने वाली एक भारतीय कंपनी है। कुछ साल पहले, पुणे की प्राज इंडस्ट्रीज ने निकारागुआ शुगर एस्टेट्स लिमिटेड के लिए इथेनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित किया था। बजाज इंडस्ट्रीज एक एजेंसी व्यवस्था के तहत हर साल नियमित रूप से बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी, जिन्हें स्थानीय रूप से मोटो-टैक्सी कहा जाता है, और तिपहिया वाहन बेचता है। महिंद्रा जीप ने देश के सबसे बड़े व्यापारिक समूह निकारागुआ के ग्रुपो पेलास के साथ एक एजेंसी व्यवस्था के तहत निकारागुआ में बिक्री भी शुरू कर दी है।

<u>सांस्कृतिक:</u>

समय-समय पर निकारागुआ में भारतीय सांस्कृतिक दलों द्वारा प्रदर्शन आयोजित किये जाते रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव हर साल कई स्थानीय योग संस्थानों और भारतीय समुदाय के सहयोग से आयोजित किया जाता है और यह काफी लोकप्रिय है। श्री ऑस्कर पेरेज़ ने भारत सरकार के निमंत्रण पर फरवरी, 2019 में भारत का दौरा किया और कुंभ मेले में भाग लिया।

<u>भारतीय समुदाय:</u> निकारागुआ में भारतीय समुदाय की संख्या 50 के करीब है।

****

अक्टूबर 2023